सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 209 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 5 सितम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

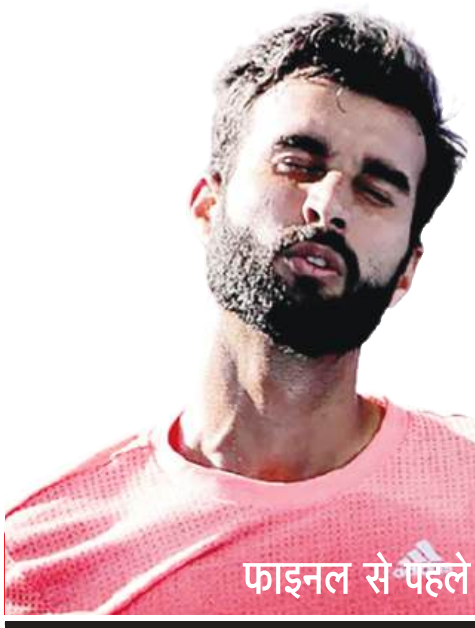

जीवन ठहराव और गति के बीच का संतुलन है।
-ओशो

फाइनल से पहले थमा युकी भांबरी... 7 | मप्र में खाद पर सियासत, विपक्ष... 3 | मायावती की नजर अब यूपी में पंचायत... 2

भाजपा का बिहार बंद जनता नहीं है रजामंद

ब से बिहार ब बीड़ी वाले बयान पर भी घमासान

» विपक्ष ने बंद को बताया सुपर फ्लॉप

» भाजपाई गुंडागर्दी कर भी एक वार्ड बंद नहीं करा पाए : तेजस्वी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को बिहार बंद के विरोध प्रदर्शन के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा ने बिहार में दुनिया भर से गुंडागर्दी फैलाई।

एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, यादव ने कहा कि बिहार बंद के लिए, वे रैली की तरह ही लोगों को काम पर रख सकते थे। जैसे वे रैलियों में पुलिस और प्रशासन पर दबाव बनाते हैं, वैसे ही बंद के लिए, वे खुद पुलिस से यातायात रोकने के लिए कह सकते थे। दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा ने कल बिहार में दुनिया भर से गुंडागर्दी फैलाई। उधर कांग्रेस की केरल इकाई ने केंद्र सरकार के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों पर एक सोशल मीडिया पोस्ट लिखकर बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है।

भाजपा के गुंडों ने खुलेआम महिलाओं और शिक्षिकाओं को पीटा

तेजस्वी ने आगे कहा कि भाजपा के गुंडों ने खुलेआम महिलाओं और शिक्षिकाओं को पीटा, गर्भवती महिलाओं को रोका, बुजुर्गों को धक्का दिया छात्राओं के साथ बदसलूकी की, बच्चों को स्कूल जाने से रोका, एम्बुलेंस रोकी और शहीदों के परिवारों को पीटा। उन्होंने आगे कहा, फिर भी ये निकम्मे लोग एक वार्ड तो दूर, एक पंचायत भी बंद नहीं करा पाए! शर्म आनी चाहिए इन पर! इन सब भाजपा की गुंडागर्दी को कवर न करने के लिए मीडिया पर हमला बोलते हुए, यादव ने कहा, चापलूस मीडिया भाजपा की गुंडागर्दी पर घबरा गया। बेचारे इस पर कोई बहस ही नहीं करते। विपक्ष के बंद में अगर एक छींक भी आ जाए, तो इनके स्टूडियो में जातिवादी तूफान आ जाता, इनकी पत्रकारिता पर मोर नाचने लगते, लेकिन बेचारे भाजपा की नाकामी से सदमे में हैं।

मोदी ने बिहार की माताओं, बहनों और बेटियों के साथ दुर्व्यवहार करवाया : लालू प्रसाद यादव

राजद प्रमुख लालू यादव ने भी राज्यव्यापी बंद को लेकर भाजपा पर निशाना साधा और पार्टी कार्यकर्ताओं पर राज्य की महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, लालू यादव ने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा सदस्यों को बिहार और बिहारियों की माताओं, बहनों और बेटियों के साथ दुर्व्यवहार करने का आदेश दिया था।

मृत्युंजय तिवारी का बीजेपी पर पलटवार

आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि इस पोस्ट को केरल कांग्रेस ने डिलीट कर दिया है। ब से बिहार, बुद्ध, बुद्धिजीवी होता है। यही बिहार है। बीजेपी ने पीए मोदी एवं की मां पर की गई टिप्पणी के विरोध में कल बिहार बंद बुलाया जो फ्लॉप साबित हुआ। इसको लेकर बीजेपी बैचेन है, जबकि उस मंच पर राहुल गांधी तेजस्वी यादव नहीं थे। गुजरात, महाराष्ट्र में जब बिहारियों को पीटा जाता है तब बिहार बीजेपी क्यों नहीं कुछ बोलती है? आज केरल कांग्रेस के ट्वीट पर सवाल उठा रही है।

केरल कांग्रेस के एक ट्वीट से मचा चौतरफा बवाल

कांग्रेस की केरल इकाई ने केंद्र सरकार के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों पर एक सोशल मीडिया पोस्ट लिखकर बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। अब हटा दी गई एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस ने तंबाकू उत्पाद पर जीएसटी कटौती का हवाला देते हुए कहा कि बीड़ी और बिहार बी से शुरू होते हैं और इसे अब पाप नहीं माना जा सकता। बिहार के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने इसे पूरे बिहार का अपमान बताया। उन्होंने लिखा कि पहले हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पूजनीय माताजी का अपमान और अब पूरे बिहार का अपमान - यही कांग्रेस का असली चरित्र है, जो बार-बार देश के सामने उजागर हो रहा है।

कांग्रेस के नेता बिहार और बिहारियों का अपमान करते हैं : दिलीप जायसवाल

बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने बिहार के लिए अपनी मानसिकता और सोच प्रदर्शित की है। कांग्रेस के नेता बिहार और बिहारियों का अपमान करते हैं। कांग्रेस केरल की पोस्ट से आप समझ गए होंगे कि बिहारियों का अपमान करना कांग्रेस पार्टी का काम है। इसलिए उन्होंने कहा बीड़ी और बिहार की शुरुआत बी से होती है। बिहार की जनता कांग्रेस पार्टी से पूछ रही है कि क्या वे बिहारियों की तुलना बीड़ी से कर रहे हैं? कांग्रेस ने बिहार के आम लोगों, खासकर गरीबों का अपमान किया है, बिहार की जनता उन्हें कभी माफ नहीं कर सकती।

कांग्रेस व राजद नेता बिहारियों का अपमान करने में आनंद लेते हैं : नित्यानंद राय

गृह राज्य मंत्री और बिहार से भाजपा सांसद नित्यानंद राय ने कहा कि देश भर के कांग्रेस नेता और बिहार के सभी राजद नेता बिहारियों का अपमान करने में आनंद लेते हैं। उन्हें बिहारियों और बिहारी गौरव को अपमानित करने में गर्व होता है। बिहार के लोग ऐसे सभी लोगों को सबक सिखाएंगे जो बिहारियों और उनके स्वाभिमान को ठेस पहुंचाते हैं... वे (राहुल गांधी और तेजस्वी यादव) (इस बारे में) क्या कहेंगे, वे ही हैं जो उनसे यह सब कहलवाते हैं।

धोखेबाज पार्टी है भाजपा : अखिलेश

बोले-विपक्ष के साथ दुश्मनों जैसा बर्ताव न करे पुलिस, केंद्र और प्रदेश सरकार ने दस वर्षों में जनता को लूटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला जारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा को विपक्षी पार्टियों को दुश्मन मानना बंद कर देना चाहिए। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर धोखेबाज पार्टी का आरोप लगाते हुए कहा कि वह विपक्षी दलों और मतदाताओं के साथ दुश्मनों जैसा बर्ताव करती है।

प्रदेश मुख्यालय पर बृहस्पतिवार को विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश ने कहा कि भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार ने दोषपूर्ण जीएसटी के द्वारा दस वर्षों से महंगाई बढ़ाकर जनता को लूटा। अखिलेश ने कहा कि सरकार ईमानदार होनी चाहिए। भाषा और व्यवहार उचित होना चाहिए। लेकिन भाजपा सरकार का रवैया तानाशाहीपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि पीडीए की एकजुटता और बढ़ती ताकत से भाजपा डरी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाया है। नदियों की सफाई नहीं हुई। पेड़ों की अंधाधुंध कटान और पहाड़ी राज्यों में अनियोजित कार्यों से तबाही के हालात पैदा हो गये हैं। डॉ. राममनोहर लोहिया ने हिमालय बचाओ अभियान शुरू किया था। उसी नीति पर चलकर इन राज्यों को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था को लेकर झूठे दावे किए जा रहे हैं। सरकार बताए कि लोगों की प्रति व्यक्ति आय क्या है? अगर सब कुछ अच्छा है तो कई करोड़ लोगों को मुफ्त राशन क्यों देना पड़ रहा है।

ईद-ए-मिलाद-उन नबी की बधाई

अखिलेश यादव ने इस्लाम धर्म के संस्थापक पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब के जन्मदिन ईद ए मिलाद उन नबी पर सभी की सुख समृद्धि एवं लोक कल्याण की कामना की है। उन्होंने कहा है कि यह दिन मुहम्मद पैगम्बर के जीवन और उनके द्वारा दी गई शिक्षाओं को याद दिलाता है। उन्होंने सभी से प्रेम और सद्भाव का संदेश दिया था।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर लाठी चार्ज गलत : ब्रजभूषण शरण सिंह

यूपी के सीतापुर में महमूदाबाद क्षेत्र में जल विहार कार्यक्रम में पूर्व सांसद ब्रजभूषण सिंह पहुंचे। यहां उन्होंने बाराबंकी के श्री राम स्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी में छात्रों पर लाठी चार्ज मामले पर कहा कि एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर लाठी चार्ज एकदम गलत है। इस मामले में ओम प्रकाश राजभर के बयान पर कहा कि यह दिखाता है कि वह हल्के आदमी हैं। कांग्रेस के मंच से पीएम मोदी की मां को अपशब्द कहने के मामले में कहा कि किसी की मां की कोई आलोचना नहीं कर सकता है। यह उनके संस्कार को दर्शाता है।

लाठीचार्ज मामले में सपा सांसद अवधेस प्रसाद का योगी सरकार पर हमला

बाराबंकी में एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर हुए लाठीचार्ज को लेकर सियासत तेज हो गई है। अयोध्या से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने इस घटना पर योगी सरकार को घेरते हुए तीखा हमला बोला। सपा सांसद ने कहा कि यह लाठीचार्ज सरकार की हताशा और नाकामी का प्रतीक है और साफ संकेत है कि सत्ता से विदाई अब तय है। उन्होंने दावा किया कि जनता का भरोसा भाजपा और उसके कार्यकर्ताओं से उठ चुका है और अब प्रदेश की जनता अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। अवधेश प्रसाद ने कहा कि सरकार जनहित के मुद्दों से पूरी तरह मुंह मोड़े हुए है। उन्होंने याद दिलाया कि 21 जुलाई से 21 अगस्त तक संसद का सत्र चला, लेकिन सरकार ने किसी भी लोकहित और जनहित के प्रश्नों पर जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में लोकसभा सबसे बड़ा मंच है, लेकिन मौजूदा सरकार विपक्ष की आवाज दबाकर केवल मनमानी करना चाहती है। सांसद ने छात्रों पर हुए लाठीचार्ज को लोकतंत्र पर हमला करार देते हुए इसकी घोर निंदा की और न्यायिक जांच की मांग की।

बांसडीह विधायक केतकी सिंह को सपा ने भेजा कानूनी नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्थित बलिया के बांसडीह से भारतीय जनता पार्टी की विधायक केतकी सिंह की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। समाजवादी पार्टी ने उनके हालिया बयान के बाद कानूनी नोटिस भेजा है। सपा की अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में एडवोकेट कृष्ण कन्हैया पाल की ओर से मानहानि की नोटिस भेजी गई है।

नोटिस में लिखा है कि 3.9.2025 को, लगभग 1:30 दोपहर, जब मैं अपने मित्रों और सहकर्मियों के साथ अपने कक्ष में बैठकर यूट्यूब ब्राउज़ कर रहा था, तभी मुझे एक वीडियो दिखाई दिया जिसमें आप एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहीं थीं. उस कॉन्फ्रेंस के दौरान, एक पत्रकार द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में, आपने अपमानजनक उत्तर दिया।

नोटिस में लिखा है, आपसे पूछा गया– अखिलेश कल बिहार चुनाव प्रचार में गए थे, लेकिन इनका एक भी उम्मीदवार वहां खड़ा नहीं था, फिर भी गए हैं चुनाव प्रचार में, आप कैसे देखते हैं? नोटिस में लिखा गया कि इसका आपने जवाब दिया– अच्छा बहुत दिन से हो गया होगा अपने एसी कमरे में रहते हुए सहाब को लगा होगा कि मैं भी घूम कर आता हूं. चुनाव चुनाव खेलकर आता हूं। पर अभी उनके एक ऑफिसियल ट्विटर से और समाजवादी ट्विटर से भी मैंने देखा कि मेरे खिलाफ उन्होंने कोई ट्वीट वगैरह किया था।

मायावती की नजर अब यूपी में पंचायत चुनाव पर

» पूरे दम-खम से उतरेगी बसपा गांवों में फिर से जनाधार की वापसी की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में अगले वर्ष होने वाले पंचायत चुनाव में बसपा भी पूरे दम-खम के साथ हिस्सा लेगी। पार्टी पंचायत चुनाव के जरिए गांव-गांव में अपनी पैठ बनाने की रणनीति पर काम कर रही है। कैडर कैंप के जरिए पार्टी ने इसकी मजबूती से शुरूआत भी कर दी है। इन कैंपों में सैंकड़ों की तादात में लोगों को पार्टी की सदस्यता भी ग्रहण कराई जा रही है। पार्टी पदाधिकारियों के मुताबिक पंचायत चुनाव से वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की जमीन तैयार की जाएगी।

बता दें कि पार्टी ने लोकसभा चुनाव के बाद कैडर कैंप पर फोकस करते हुए संगठन को मजबूत करने की कवायद शुरू की थी। इसके तहत पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी गांव-गांव जाकर लोगों को बसपा की सदस्यता ग्रहण करा रहे हैं। साथ ही अन्य दलों के नेताओं को भी पार्टी में शामिल किया जा रहा है। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के मुताबिक बिहार चुनाव के बाद पंचायत चुनाव की तैयारियों को अमली जामा पहनाया जाएगा। वहीं दूसरी ओर बसपा सुप्रीमो ने दलितों के साथ होने वाली घटनाओं को लेकर भी गंभीर रुख अख्तियार किया है और पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल को पीड़ितों के घर जाकर सांत्वना देने और आर्थिक मदद करने का निर्देश दिया है। पार्टी का यह कदम दलित वोट बैंक को बसपा के पक्ष में एकजुट करने की दिशा में बड़ा कदम साबित हो सकता है।

सात को होगी बैठक

वहीं दूसरी ओर आगामी सात सितंबर को बसपा सुप्रीमो ने सभी प्रदेश पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों की बैठक बुलाई है, जिसमें पार्टी संस्थापक कांशीराम के 9 अक्तूबर को होने वाले परिनिर्वाण दिवस की तैयारियों की रूपरेखा तय की जाएगी। साथ ही, पंचायत चुनाव की तैयारियों की समीक्षा भी की जाएगी। इस दौरान बसपा सुप्रीमो पदाधिकारियों को पंचायत चुनाव में अहम पदों पर प्रत्याशियों के चयन के बारे में भी निर्देश देंगी।

भगवान महादेव के वंशज हैं आदिवासी : उइके

» सिंघार के बयान पर व जनजाति वर्ग की पहचान पर सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बयान, मैं आदिवासी हूं, हिंदू नहीं, पर सियासी विवाद छिड़ गया है। कांग्रेस नेता के इस बयान के बाद केंद्र सरकार में मंत्री दुर्गादास उइके समेत भाजपा नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उइके ने कहा कि आदिवासी समाज किसी से अलग नहीं, बल्कि आदिदेव भगवान महादेव के वंशज हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि आदिवासी समाज की जड़ें सनातन संस्कृति में गहराई से जुड़ी हुई हैं। आदिवासी समाज को आदिदेव महादेव का वंशज बताते हुए उन्होंने कहा कि अधिकांश जागृत ज्योतिर्लिंग वनांचल क्षेत्रों में स्थित हैं और जनजातीय राजाओं के किलों में मां कंकाली व शिवजी की प्रतिमाएं मिलती हैं। आदिवासी परिवार पीढ़ियों से होली, दीपावली और रक्षाबंधन जैसे त्यौहार मनाते आ रहे हैं। भाजपा ने अपने तर्क को धार्मिक ग्रंथों से भी जोड़ा। ऋग्वेद में प्रकृति पूजा का उल्लेख है और आदिवासी समाज पंचतत्व की ही आराधना करता है। शबरी माता के जूठे बेर भगवान राम द्वारा ग्रहण किए जाने का प्रसंग जनजातीय आस्था को मान्यता देता है। महाभारत में भीम का विवाह आदिवासी समाज की हिडिंबा से हुआ, जिनके पुत्र घटोत्कच की वंश परंपरा से भगवान खाटूश्याम हुए, जिनकी आज भी हिंदू समाज में पूजा होती है। केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि कांग्रेस नेता केवल वोट बैंक की राजनीति के लिए आदिवासी समाज की धार्मिक पहचान पर सवाल उठा रहे हैं। प्रदेश में आदिवासी वर्ग को लेकर लंबे समय से सियासत हो रही है। प्रदेश की राजनीति में आदिवासी वर्ग बड़ी भूमिका निभाता है। आदिवासी सीटों और वोट बैंक को लेकर कोई भी दल मौका नहीं छोड़ना चाहते हैं। प्रदेश में आदिवासी वर्ग की 21 प्रतिशत आबादी है और 230 में 47 सीट आरक्षित हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच एसटी सीटों पर कांटे की टक्कर रही थी। भाजपा ने 24, कांग्रेस ने 22 और भारत आदिवासी पार्टी ने 1 सीट जीती थी। ऐसे में यह मुद्दा भविष्य की रणनीति पर गहरा असर डाल सकता है।

रेलवे कर्मचारियों की हक की लड़ाई लड़ेगी कांग्रेस : देवेंद्र

» बोले कांग्रेस अध्यक्ष- भाजपा सरकार निजीकरण के जरिए रेलवे की रीढ़ को कमजोर कर रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने रनैल सिंह स्टेडियम में आयोजित नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमैन के राष्ट्रीय अधिवेशन में हिस्सा लिया और रेलवे कर्मचारियों को पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया।

यह फेडरेशन कांग्रेस समर्थित इंटक से जुड़ा हुआ है। अधिवेशन में देशभर के कई हजार रेलवे कर्मचारी शामिल हुए। देवेंद्र यादव ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार निजीकरण और आउटसोर्सिंग के जरिए भर्ती करके रेलवे की रीढ़ को कमजोर कर रही है। उन्होंने पुरानी पेंशन योजना बहाली का समर्थन करते हुए कहा कि यह रेलवे कर्मचारियों का हक है और कांग्रेस इसके लिए संघर्ष करेगी। यादव ने मांग की है कि कोविड काल के दौरान जान गंवाने वाले हजारों रेलवे कर्मचारियों के परिवारों को केंद्र सरकार तत्काल मुआवजा दे। उन्होंने कहा कि यह केवल एक आर्थिक सहायता नहीं बल्कि मानवीय आधार पर सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने राहुल गांधी का संदेश भी कर्मचारियों को सुनाया जिसमें कहा गया था कि 1.3 मिलियन रेलवे परिवार देश की रीढ़ हैं, लेकिन मौजूदा सरकार उनकी अनदेखी कर रही है। राहुल गांधी ने निजीकरण और कांट्रेक्ट आधारित भर्ती को देश के हितों के खिलाफ बताया। देवेंद्र यादव ने कहा, जहां कहीं भी अन्याय और अत्याचार होता है, कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी सबसे पहले आवाज उठाते हैं।

मप्र में खाद पर सियासत, विपक्ष का आघात

जीतू पटवारी ने मोहन सरकार पर साधा निशाना

» भाजपा व कांग्रेस में वार-पलटवार

» सतना सांसद के बयान से उठा बवंडर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में खाद संकट गहराता जा रहा है। अलग-अलग जिलों में किसान परेशान हैं। रीवा में खाद लेने के लिए कतार में लगे किसानों पर लाठी चार्ज के वीडियो आए। इस बीच सतना सांसद खत वायरल हुआ। इसमें अपने क्षेत्र के किसानों की पीड़ा जाहिर की। इस पर कांग्रेस को सरकार पर निशाना साधने का मौका मिला। मध्यप्रदेश में खरीफ सीजन के दौरान खाद संकट गहराने के साथ ही अब राजनीतिक रंग लेने लगा है।

किसानों की लगातार परेशानी और लंबी कतारों के बीच सांसद गणेश सिंह का बयान वायरल हो रहा है। यह प्रदेश सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहा है। बीजेपी सांसद ने किसानों की पीड़ा को कष्टप्रद बताते हुए पत्र जारी किया है। इसके बाद यह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वहीं, विपक्ष ने इसे प्रदेश सरकार पर हमला बोलने का बड़ा हथियार बना लिया है जो अब राजनीतिक गलियारों खासा ट्रोल हो रहा है। दरअसल, सतना से लगातार चार बार के सांसद रहे गणेश सिंह ने खाद को लेकर चिंता जताते हुए अपने पत्र में साफ लिखा कि जिले और प्रदेश के विभागों के अधिकारी इसे गंभीरता से लें। किसानों की लंबी लाइन देख कर मुझे बहुत कष्ट हो रहा है। खाद के वितरण में पारदर्शिता की भी कमी है, निजी क्षेत्रों में ऊंचे दाम पर किसान खाद खरीदने के लिए मजबूर हैं।

खाद के लिए भटक रहे किसान

उन्होंने आगे लिखा डबल लॉक में उन्हीं किसानों को खाद मिल रही है, जो सोसायटी के सदस्य हैं। वो भी पर्याप्त नहीं है। लेकिन बड़ी संख्या में छोटे किसान जिनका जोत का रकबा कम है वे भटक रहे हैं। उन्होंने पत्र में आगे कहा कि किसानों को परेशानी से बचाने के लिए जिला प्रशासन को हमारा और हमारे पार्टी का पूरा सहयोग जैसा चाहे वैसा लें और व्यवस्था में तत्काल सुधार करें।

जीतू पटवारी ने सरकार को घेरा

सांसद का यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल होते ही कांग्रेस ने बीजेपी को घेरना शुरू कर दिया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया एक्स में पत्र को शेयर करते हुए लिखा की हम तो कहते ही थे, ये सरकार निकम्मी है! एक भाजपा विधायक कलेक्टर की कॉलर पकड़कर कहता है, यह सरकार निकम्मी है!, एक भाजपा सांसद पत्र लिखकर कहता है यह सरकार निकम्मी है! और किसान लाइन में लगकर कह रहे हैं यह सरकार निकम्मी है! पटवारी ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को टैग करते हुए सवाल किया है कि आंखें खोलो, कुछ तो बोलो! यह निकम्मापन कब तक चलेगा? किसान को खाद कब मिलेगी?

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की कड़े शब्दों में निंदा

सांसद ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने मनगढ़ंत राजनीतिक षड्यंत्र से भरा एक पोस्ट लिखा है। मैं उसकी कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। साथ ही ऐसी ओछी राजनीति न करने की सलाह देता हूं। उन्हें यह बताना चाहता हूं कि डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों सहित सभी वर्गों के विकास और तरक्की के लिए ऐतिहासिक काम कर रही है। शायद यही कारण है कि कांग्रेस को जलन हो रही है।

सांसद ने दिया जवाब

सांसद ने विपक्ष को जवाब देते हुए लिखा कि किसानों के खाद की कमी को लेकर फोन आ रहे थे। इसको देखते हुए मैंने जिला प्रशासन को खाद्य वितरण की व्यवस्था में सुधार लाने के लिए अपनी और पार्टी की हर तरह की मदद की पेशकश की थी। इसके लिए लिए मीडिया की मदद से बयान दिया था।

विधानसभा चुनाव से पहले सीएए पर दांव

क्या बंगाल में भाजपा को मिलेगा सियासी लाभ

» सुकांत के बयान में दिखे चुनावी निशान

» विपक्ष ने फैसले पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। जैसे-जैसे बिहार व बंगाल चुनाव की आहट महसूस हो रही वैसे-वैसे सियासी दलों की रणनीति बदलती जा रही है। हाल ही में भाजपा मोदी सरकार के इस फैसले को पश्चिम बंगाल में बड़े राजनीतिक लाभ के तौर पर देख रही है कि 2024 से पहले आए उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों, विशेषकर बांग्लादेशी हिंदुओं, को निर्वासित नहीं किया जाएगा। वहीं विपक्ष इस पर हमलावर है। यह कदम 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी की छवि को मज़बूत करेगा कि वह हिंदुओं के हितों की रक्षक है और उसने अपने वादे पूरे किए हैं।

भारत अब पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को निर्वासित नहीं करेगा, जो 31 दिसंबर, 2024 से पहले वैध दस्तावेजों के बिना देश में प्रवेश कर गए थे। सरकार के इस फैसले को लेकर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि भारत में धर्मनिरपेक्षता और साम्यवाद तभी तक जीवित रहेंगे जब तक हिंदू बहुसंख्यक रहेंगे। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) द्वारा यहाँ आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मजूमदार ने सीएए लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया।

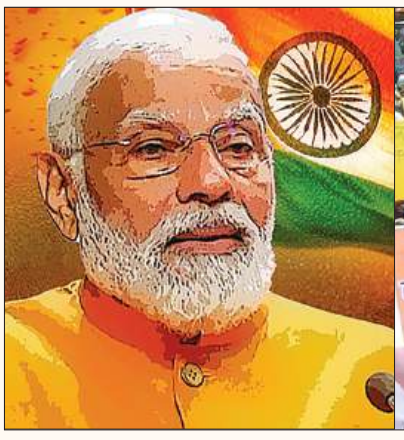

2026 के विधानसभा चुनावों से पहले पश्चिम बंगाल जरूरी

भारतीय जनता पार्टी के सूत्रों के अनुसार, यह सरकारी अधिसूचना 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले पश्चिम बंगाल में महत्वपूर्ण राजनीतिक महत्व रखती है। इस फैसले का मतलब है कि पिछले एक दशक में बांग्लादेश से आए हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को निर्वासित नहीं किया जाएगा। हालांकि इससे उन्हें तत्काल चुनाव चक्र में मतदान का अधिकार नहीं मिलता, लेकिन बंगाल भाजपा के नेता इसे एक शक्तिशाली चुनावी संदेश और प्रभावित समुदायों के लिए आश्वासन का स्रोत मानते हैं। बंगाल भाजपा नेताओं का मानना है कि यह फैसला हिंदुओं की रक्षा के अपने वादे को पूरा करने वाली एकमात्र पार्टी के रूप में उनकी छवि को और मजबूत करता है। एक वरिष्ठ नेता ने कहा, इसके ज़रिए हम यह दिखा सकते हैं कि भाजपा अपने वादे पर खरी उतरती है और हिंदुओं को यातनाओं और जनसांख्यिकीय खतरों से बचाती है।

सुकांत मजूमदार ने बताया ट्रंप कार्ड

सुकांत मजूमदार ने कहा कि दशकों तक, पूर्वी बंगाल से आए दलित शरणार्थियों के बारे में किसी ने नहीं सोचा। यह पहली बार है कि नरेंद्र मोदी ने उनकी दुर्दशा पर विचार किया है। विभाजन के दौर के इतिहास का हवाला देते हुए, उन्होंने पाकिस्तान के पहले कानून मंत्री जोगेंद्र नाथ मंडल का जिक्र किया, जिन्हें अपने उच्च पद के बावजूद,अपनी गरिमा बचाने के लिए अपनी पत्नी और बेटी के साथ भारत भागना पड़ा था। मजूमदार ने कहा कि जिस दलित समुदाय ने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में रहने के मंडल के आह्वान पर भरोसा किया था, उसे उसके बाद लगातार उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, जिससे शरणार्थियों की कई पीढ़ियाँ भारत आने को मजबूर हुईं। जनसांख्यिकी पर अपनी टिप्पणी दोहराते हुए, भाजपा नेता ने कहा कि भारत में धर्मनिरपेक्षता और साम्यवाद तभी तक रहेंगे जब तक हिंदू बहुसंख्यक हैं। अन्यथा, वे जीवित नहीं रह पाएँगे। क्योंकि हिंदू ही एकमात्र ऐसा समुदाय है जो समावेशिता में विश्वास करता है। मजूमदार ने रेखांकित किया कि धार्मिक अल्पसंख्यकों, विशेषकर दलितों को बांग्लादेश में अत्याचारों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ये शरणार्थी 1947 से भारत आ रहे हैं। खासकर महिलाओं को लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा है। सालों तक किसी ने उनकी आवाज नहीं उठाई। पहली बार नरेंद्र मोदी ने उनके भविष्य के बारे में सोचा और सीएए को पारित कराया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

हिरासत में हो रही मौत सरकारों पर उठे सवाल

जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि 2025 में पिछले 7-8 महीनों में अकेले राजस्थान में पुलिस हिरासत में 11 मौतें हुई हैं। इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर तुरंत संज्ञान लिया। इससे पहले, 2020 में, सर्वोच्च न्यायालय ने देश भर के सभी पुलिस थानों में नाइट विज़न और ऑडियो क्षमता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले से एकबार फिर सरकारों को आईना दिखाया है। अपने ऐतिहासिक फैसले में राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को पुलिस परिसरों के सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं, जिनमें लॉक-अप और पूछताछ कक्ष शामिल हैं, पर सीसीटीवी कवरेज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। न्यायालय ने जोर देकर कहा कि फुटेज को कम से कम 18 महीने तक सुरक्षित रखा जाना चाहिए और हिरासत में यातना या मौत से संबंधित जाँच के दौरान उसे सुलभ बनाया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए एक जनहित याचिका (पीआईएल) शुरू की, जिसमें भारत भर के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी का मुद्दा उठाया गया था। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि 2025 में पिछले 7-8 महीनों में अकेले राजस्थान में पुलिस हिरासत में 11 मौतें हुई हैं। इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर तुरंत संज्ञान लिया। इससे पहले, 2020 में, सर्वोच्च न्यायालय ने देश भर के सभी पुलिस थानों में नाइट विज़न और ऑडियो क्षमता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य कर दिया था।

इस ऐतिहासिक फैसले में राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को पुलिस परिसरों के सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं, जिनमें लॉक-अप और पूछताछ कक्ष शामिल हैं, पर सीसीटीवी कवरेज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। न्यायालय ने ज़ोर देकर कहा कि फुटेज को कम से कम 18 महीने तक सुरक्षित रखा जाना चाहिए और हिरासत में यातना या मौत से संबंधित जाँच के दौरान उसे सुलभ बनाया जाना चाहिए। स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, कई पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे हैं या फुटेज गायब हैं, जिससे अक्सर जाँच और जवाबदेही में बाधा आती है। पुलिस एजेंसियों ने हिरासत में दुर्व्यवहार से जुड़े मामलों में अक्सर तकनीकी समस्याओं या फुटेज की अनुपलब्धता को बाधा के रूप में उद्धृत किया है। सर्वोच्च न्यायालय की स्वत: संज्ञान कार्रवाई अनुपालन और प्रवर्तन में जारी कमियों को रेखांकित करती है। न्यायालय ने सीसीटीवी प्रणालियों की खरीद, स्थापना और रखरखाव सुनिश्चित करने के लिए राज्य और केंद्रीय निगरानी समितियों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। इसने निर्देश दिया कि गंभीर चोटों या हिरासत में मौतों से जुड़े मामलों में, पीड़ित या उनके परिवार मानवाधिकार आयोगों या अदालतों से संपर्क कर सकते हैं, जिनके पास जाँच और साक्ष्य संरक्षण के लिए सीसीटीवी फुटेज माँगने का अधिकार है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जन प्रतिनिधियों की पेंशन पर उठे सवाल

विश्वनाथ सचदेव

आखिर पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ का पता चल ही गया। जब से उन्होंने पद से इस्तीफा दिया था, वह जैसे कहीं गायब ही हो गये थे। चिंता उनकी कथित बीमारी को लेकर भी थी, हैरानी हो रही थी कि उनकी अपनी पार्टी बीजेपी का भी कोई नेता उनकी तबीयत के बारे में पूछने, उन्हें शुभकामनाएं देने नहीं पहुंचा, और न वे स्वयं किसी से मिले या बतियाये। भला हो राजस्थान विधानसभा के सचिवालय का, जिसके सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि पूर्व उपराष्ट्रपति जी ने अपनी पेंशन बहाल किये जाने के लिए आवेदन किया है! मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार धनखड़ 1993 से लेकर 1998 तक राजस्थान में विधायक थे। जब से उन्हें राज्यपाल बनाकर बंगाल भेजा गया था, उनकी पेंशन बंद हो गयी थी, अब राज्यपाल और उपराष्ट्रपति पद से हटने के बाद वे फिर से अपनी विधायकी वाली पेंशन लेने के हकदार हो गये हैं। उन्हें प्रति माह कम से कम 42 हजार रुपये मिलेंगे।

उपराष्ट्रपति पद से जुड़े लाभ अलग से। और हां, विधायकों-सांसदों को मिलने वाली पेंशन-राशि पर आयकर भी नहीं देना पड़ता। यही नहीं, उनकी पेंशन से जुड़ी एक और बात भी कम हैरान करने वाली नहीं है। मान लो कोई विधायक आगे चलकर सांसद भी बन जाता है तो उसे सांसद वाली पेंशन भी मिलेगी- यानी दुहरी पेंशन। और यदि कोई एक से अधिक बार विधायक अथवा सांसद निर्वाचित होता है तो वह आवृत्ति के अनुपात में दुहरी या तिहरी पेंशन पाने का अधिकारी बन जायेगा! और पेंशन पाने का हकदार बनने के लिए इन राजनेताओं को सरकारी कर्मचारियों की तरह कम से कम अठारह साल काम करने की शर्त भी नहीं निभानी पड़ती। सुना है एक दिन के लिए भी कोई विधायक या सांसद बन जाये तो पेंशन पाने का हकदार बन जाता है! पर सवाल उठता है जनसेवा के नाम पर राजनीति में आने वालों को पेंशन मिलने का आधार क्या है? अक्सर राजनेताओं से जब यह सवाल पूछा जाता है कि उनका राजनीति में आने का उद्देश्य क्या है अथवा उनका पेशा क्या है तो वे जवाब देते हैं- जनसेवा।

विधानसभाओं या संसद में सदस्य रहने के दौरान निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों को वेतन अथवा भत्ते के रूप में उचित राशि मिले, यह बात तो समझ में आती है, जनसेवा के लिए राजनीति में आने वाले के जीवन भर के भरण-पोषण की व्यवस्था भी सरकार करे, यह बात आसानी से गले नहीं उतरती। फिर जब दोहरी पेंशन व्यवस्था

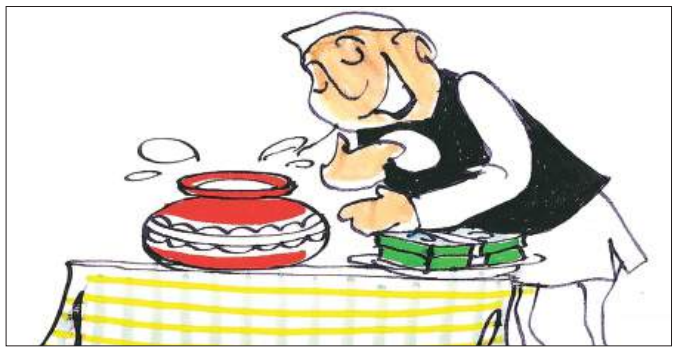

जैसी स्थिति को देखते हैं तब तो हैरानी और बढ़ जाती है। एक नेता थे हमारे देश के जिन्हें सचमुच वित्तीय सुरक्षा की आवश्यकता थी। मैं गुलजारी लाल नंदा की बात कर रहा हूं। दो बार देश का प्रधानमंत्री बनने वाले इस नेता के पास राजनीति से निवृत्त होने के बाद रहने के लिए दो कमरों का मकान भी नहीं था। किराये के एक कमरे में रहा करते थे वे। और किराया न दे पाने के कारण उस कमरे से भी उनका सामान उठाकर बाहर फेंक दिया गया था। हो सकता है कुछ लोग और भी हों जिनकी आर्थिक स्थिति नंदा जी की तरह ठीक न हो। यह तो समझ में आता है कि ऐसे व्यक्तियों के लिए कुछ व्यवस्था होनी चाहिए, पर लाखों-करोड़ों की संपत्ति वाले जनसेवक भी जब अधिकाधिक पेंशन पाने का अधिकार मांगते हैं तो हैरानी भी होती है और शर्म भी आती है! चुनाव अधिकार संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के एक सर्वेक्षण के अनुसार हमारे मुख्य राजनीतिक दलों के पास संपत्ति की कोई कमी नहीं है। वर्ष 2020-21 में भाजपा की संपत्ति लगभग 4990 करोड़ रुपये थी। दो साल में बढ़कर वह लगभग 6046 करोड़ हो गयी। इसी तरह कांग्रेस दो वर्ष में 591 करोड़ से बढ़कर 805 करोड़ रुपये हो गयी थी। अधिकांश दलों के पास वित्त की कोई कमी नहीं थी। ये करोड़ों की संपत्ति वाले दल अपने उन कार्यकर्ताओं को वित्तीय सहायता क्यों नहीं देते जिन्हें आर्थिक मदद की आवश्यकता है? जनता का पैसा नेताओं की आर्थिक सुरक्षा के लिए खर्च क्यों हो? एक बात और भी है। सब जानते हैं कि हमारे देश में चुनाव लड़ना पैसे वालों के बस की ही बात है। चुनाव-व्यय की सारी मर्यादाएं धरी रह जाती हैं जब हम चुनावों में प्रत्याशियों को धन लुटाते देखते हैं। ऐसे विधायक या सांसद उंगलियों पर गिने जा सकते हैं जो करोड़ों की संपत्ति के मालिक न हों।

महाराष्ट्र के एक विधायक देश के सबसे अमीर विधायक हैं उनकी घोषित संपत्ति है लगभग 3400 करोड़ रुपये। दूसरा नंबर आंध्र प्रदेश के एक विधायक का है जो 1413 करोड़ रुपये के मालिक हैं। कर्नाटक के विधायकों की कुल संपत्ति लगभग 14179 करोड़ रुपये है और आंध्र प्रदेश के विधायकों की कुल संपत्ति 11323 करोड़ के लगभग है। देश के आम आदमी से अनायास पूछ लिया जाये एक करोड़ में कितने शून्य होते हैं तो वह शायद ही तत्काल उत्तर दे पायेगा।

बच्चों के विकास व्यवहार पर घातक प्रभाव

दीपिका अरोड़ा

'उन्होंने मेरी मां के शरीर पर कुछ डाला, थप्पड़ मारे और लाइटर से आग लगा दी', ये शब्द हैं छह वर्षीय मासूम के, जिसके दहेज लोभी पिता ने अपनी अर्द्धांगिनी को बर्बरतापूर्वक मौत के हवाले कर डाला। दहेज प्रथा, एक ऐसा विषैला नाग जो कानूनन निषेध होने के बावजूद घरेलू हिंसा बनकर आज भी असंख्य बहन-बेटियों का दांपत्य सुख निगल रहा है। एनसीआरबी के वार्षिक आंकड़े खंगालें तो सामाजिक परंपरा के नाम पर प्रचलित इस कुप्रथा के चलते देश में प्रतिवर्ष हजारों बेटियां जान से हाथ धो बैठती हैं। ऐसी घटनाओं में प्रशासनिक उदासीनता सहित सर्वाधिक दोषी है हमारे समाज का रूढ़िवादी वर्ग, जो 'रस्मी कर्तव्य निपटान' के उपरान्त बेटी के सुख-सुरक्षा की सुध लेना भी आवश्यक नहीं समझता। 'बेटी की डोली पीहर से उठे, अर्थी ससुराल से निकले', यह संकुचित धारणा बेटी के ससुराल में असुरक्षित होने पर भी बलवती रहती है।

साक्षरता का व्यापक प्रसार होने के बावजूद हमारा सामाजिक ढांचा पुरातन घिसी-पिटी मान्यताओं से मुक्त नहीं हो पाया। परिस्थितिजन्य होने पर भी तलाकशुदा स्त्री को सम्मानजनक दृष्टि से नहीं देखा जाता। इसी कारण मानसिक स्तर पर अधिकतर महिलाएं इतनी सशक्त नहीं बन पातीं कि खुलकर हिंसा का विरोध कर सकें। सामाजिक मर्यादा के नाम पर बेटी का 'चुप्पी' साधे रखना अधिकांश पीहर वालों को बेहतर उपाय जान पड़ता है। ऐसा ही रवैया निक्की के मामले में भी नजर आया। उसी परिवार में ब्याही गई बड़ी बहन के साथ ब्यूटी-पार्लर चला रही निक्की सोशल मीडिया पर खासी सक्रिय थी। नौ वर्ष के वैवाहिक जीवन में पति द्वारा प्रताड़ित होने का यह पहला मामला नहीं था। वायरल वीडियो में दस माह पूर्व भी निक्की अपने पति व सास से पिटते हुए माफी की गुहार लगाती दिखाई पड़ी। समय रहते स्वजन संज्ञान लेते तो संभवत: हालात क्रूरतम मोड़ पर न पहुंचते। दरअसल, हमारे समाज में बहुतेरे लोग महिलाओं के प्रति हिंसा को गंभीरतापूर्वक लेते ही नहीं।

एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में हर तीसरी महिला घरेलू हिंसा की शिकार होती है। व्यापक नजरिए से आंकें तो हिंसक व्यवहार समग्र रूप में देश का विकास बाधित कर रहा है। किसी भी प्रकार के उत्पीड़न का सामना कर रही महिलाओं में डिप्रेशन, चिंता, आघात की समस्या पनपना स्वाभाविक है। तनाव विकार बढ़ने के साथ ही आत्मघात के विचार उत्पन्न होने की आशंका भी कई गुना बढ़ जाती है। पीड़िता यदि गर्भवती हो तो कोख में पनपते शिशु के सर्वांगीण विकास पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव देखने में आता है। शोध पत्रिका प्लॉस वन में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक़, हिंसा पीड़ित महिलाओं के बच्चों को कालांतर में अनेक मानसिक स्वास्थ्य समस्यायों से दो-चार होना पड़ता है। सीवीईडीए कंसोर्टियम, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बंगलूरू तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा किए गए शोध में भारत के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से लगभग 2,800 किशोर और उनकी माताओं को शामिल किया गया। किए गए अध्ययनों के तहत, गर्भपात, मृत बच्चे का जन्म, समय पूर्व डिलीवरी आदि के साथ घरेलू हिंसा का गहरा संबंध रहा। जन्म लेने वाले बच्चों में भी भावनात्मक, व्यावहारिक तथा शैक्षणिक दिक्कतें देखने में आईं।

असल में, मां के साथ होने वाला किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार कोमल बालमन पर जीवन भर के लिए एक अनकही पीड़ा की अमिट छाप छोड़ जाता है। कम उम्र होने पर भी बच्चे सब समझते हैं, बराबर महसूस कर सकते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि मां के साथ घरेलू हिंसा के गवाह रहे बच्चे की पढ़ाई और व्यवहार में परिवर्तन साफ देखा जा सकता है। किशोरावस्था में सोच, व्यवहार और व्यक्तित्व का विकास होता है। इस दौरान मां के साथ होती हिंसा देखना बच्चों के लिए बेहद हानिकारक हो सकता है। इससे उनके अंदर लंबी बीमारियां, मनोवैज्ञानिक अथवा मानसिक रोग विकसित हो सकते हैं। बावजूद इसके, भारत में आज भी मां के साथ हो रही हिंसा से बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित होने वाली बात को लेकर पर्याप्त जन-जागरूकता नहीं, जबकि यह अध्ययन समूचे तौर पर घरेलू हिंसा की कठोरतापूर्वक रोकथाम करने संबंधी आवश्यकता पर बल देता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार, अनेक मामलों में संयुक्त परिवार में रह रही महिला के प्रति अन्य किसी सदस्य का द्वेष भी अक्सर प्रत्यक्षत:-अप्रत्यक्षत: हिंसा को बढ़ावा देने में कारण बनता है। इसमें पति पर दवाब डालना, भड़काना आदि से लेकर महिला को चुप कराना तक सम्मिलित हो सकता है। जैसे कि ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव में आधी रात को अंजाम दिए गए निक्की भाटी हत्याकांड वीडियो में भी असंवेदनशील मां बहू को बचाने की अपेक्षा हिंसक बेटे का साथ देती नजर आई। सामाजिक कुप्रथा तथा समाज के स्वार्थी व आत्मकेंद्रित दृष्टिकोण ने न केवल एक और बेटी का जीवन छीना बल्कि देश का भविष्य कहलाने वाले एक मासूम की मासूमियत भी छीन ली। क्या उसका मन-मस्तिष्क उन लोमहर्षक यादों से निजात पा सकेगा? अपराधी भेड़ियों को हर हाल दंडित करना अनिवार्य है मगर उस समाज का क्या जो कुरीतियां पल्लवित करने में कम दोषी नहीं?

वजन कम करने के लिए करें ये काम

वजन कम करना आज की व्यस्त जीवनशैली में एक बड़ी चुनौती बन गई है, लेकिन छोटी और आसान आदतों को अपनाकर आप अपने वजन को कंट्रोल कर सकते हैं। जिम जाने का समय न मिलना या स्ट्रिक्ट डाइट फॉलो न कर पाना ऐसी कई वजहें हैं जो हमें निराश कर देती हैं। लेकिन बड़े बदलावों के बजाय, छोटी और आसान आदतों को अपनी दिनचर्या में अपनाकर वजन को प्रभावी ढंग से नियंत्रित कर सकते हैं। वजन घटाना आपके संपूर्ण स्वास्थ्य और एनर्जी लेवल को भी बेहतर बनाती है। खासकर, सुबह की शुरुआत सही तरीके से करने से शरीर का मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जो पूरे दिन कैलोरी बर्न करने में मदद करता है और वजन घटाने की प्रक्रिया को गति देता है।

एक्सरसाइज करके पसीना बहाएं

सुबह का व्यायाम वजन कम करने का सबसे प्रभावी तरीका है। चाहे वह तेज चलना, योग, जॉगिंग, या साइकिलिंग हो, 30 मिनट की गतिविधि मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करती है और दिनभर कैलोरी बर्न करने में मदद करती है। सुबह की एक्सरसाइज तनाव कम करती है और ऊर्जा स्तर बढ़ाती है। पसीना बहाने से शरीर से अतिरिक्त नमक और विषाक्त पदार्थ निकलते हैं।

सुबह में नींबू पानी पीएं

सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में नींबू निचोड़कर पीना वजन कम करने का एक पुराना और प्रभावी नुस्खा है। नींबू पानी शरीर को हाइड्रेट करता है, पाचन तंत्र को सक्रिय करता है, और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है। नींबू में मौजूद विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। यह ड्रिंक भूख को नियंत्रित करती है, जिससे दिन में अधिक खाने की इच्छा कम होती है। इसके अलावा पाचन संबंधी समस्या से परेशान हैं तो सुबह खाली पेट नींबू पानी का सेवन कर सकते हैं। क्योंकि इसमें हाइड्रोक्लोरिक एसिड और पित्त सिक्रेशन के प्रोडक्शन को बढ़ाता है।

सूरज की रोशनी में जाएं

सुबह 15-20 मिनट सूरज की रोशनी में समय बिताना न केवल मूड को बेहतर करता है, बल्कि वजन कम करने में भी भूमिका निभाता है। सूर्य की रोशनी से विटामिन डी मिलता है, जो मेटाबॉलिज्म और इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाता है। अध्ययनों के अनुसार, सुबह की धूप लेने से शरीर का बॉयलोजिकल क्लाक अच्छी रहती है, जिससे भूख और नींद का चक्र संतुलित रहता है। इसके अलावा सूरज की रोशनी से हमें विटामिन डी मिलता है और ये विटामिन डी प्राप्त करने का एक नैचुरल सोर्स है। सूरज की रोशनी में आने से सेरोटोनिन का उत्पादन होता है, जो कि एक फील गुड हार्मोन है। सेरोटोनिन आपके मूड को बेहतर बनाने में मदद करता है और तनाव भी कम होता है।

प्रोटीन युक्त नाश्ता करें

सुबह का नाश्ता दिन का सबसे महत्वपूर्ण भोजन है, और प्रोटीन युक्त नाश्ता वजन कम करने में मुख्य भूमिका निभा सकता है। प्रोटीन भूख को लंबे समय तक नियंत्रित करता है, जिससे दिन में अनहेल्दी स्नैकिंग कम होती है। अंडे, दही, पनीर, दाल जैसे खाद्य पदार्थ को डेली डाइट में शामिल करें, ये मांसपेशियों को मजबूत करते हैं और मेटाबॉलिज्म को तेज करते हैं। क्योंकि प्रोटीन एक जरूरी माइक्रोन्यूट्रिएंट है जिसकी आपके शरीर को हर दिन जरूरत होती है। यह मांसपेशियों की मरम्मत और रिकवरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक प्रोटीन युक्त नाश्ता से कई तरह के फायदे होते हैं। यह आपको लंबे समय तक भरा हुआ और दिन भर ऊर्जावान बनाए रखता है।

हंसना मना है

टीचर-घर की परिभाषा बताओ।
टीटू-जो घर हौसले से बनाये जाते हैं उसे हाऊस कहते हैं, जिन घरों में होम-हवन होते हैं उन्हें होम कहते हैं, जिन घरों में हवा ज्यादा चलती है उन्हें हवेली कहते हैं, जिन घरों में दीवारों के भी कान होते हैं उन्हें मकान कहते हैं, जिन घरों के लोन के इंस्टॉलमेंट भरते-भरते आदमी लेट जाता है उन्हें फ्लैट कहते हैं, और जिन घरों में यह भी न पता हो कि बगल के घर में कौन रहता है उन्हें बंगला कहते हैं, टीटू को स्टूडेंट ऑफ द इयर चुना गया।

टीचर- जो बेवकूफ है वो खड़ा हो जाये? पप्पू खड़ा हो गया, टीचर-तुम बेवकूफ हो? पप्पू-नहीं सर, आप अकेले खड़े थे ना तो मुझे अच्छा नहीं लगा।

एक क्लास में एक लड़की को सब बुआ-बुआ कहते थे.. एक दिन इस की शिकायत उसने अपने टीचर से कर दी, टीचर ने सब लड़को से पूछा...जो लड़के इस को बुआ कहते हैं वो सभी खड़े हो जाए...एक लड़के को छोड़ के सभी खड़े हो गये..टीचर ने पुछा-क्या तुम इस को बुआ नहीं कहते हो, लड़का बोला- सर मैं तो फूफाजी हूं..

कहानी | भगवान जी आप अपना ध्यान रखना

एक बार की बात है एक बच्चा जो रोज अपने दादा जी को सायंकालीन पूजा करते देखता था। बच्चा भी उनकी इस पूजा को देखकर अंदर से स्वयं इस अनुष्ठान को पूर्ण करने की इच्छा रखता था, किन्तु दादा जी की उपस्थिति उसे अवसर नहीं देती थी। एक दिन बच्चे को यह मौका मिल गया जब एक दिन दादा जी को शाम को आने में विलंब हुआ, तो बच्चे ने समय पर पूजा प्रारम्भ कर दी। जब दादा जी आये, तो दीवार के पीछे से बच्चे की पूजा देख रहे थे। बच्चा बहुत सारी अगरबत्ती एवं अन्य सभी सामग्री का अनुष्ठान में यथाविधि प्रयोग करता है और फिर अपनी प्रार्थना में कहता है। भगवान जी प्रणाम! आप मेरे दादा जी को स्वस्थ रखना और दादी के घुटनों के दर्द को ठीक कर देना, क्योंकि दादा-दादी को कुछ हो गया, तो मुझे चॉकलेट कौन देगा। बच्चा फिर आगे कहता है, भगवान जी मेरे सभी दोस्तों को अच्छा रखना, वरना मेरे साथ कौन खेलेगा। फिर मेरे पापा और मम्मी को ठीक रखना, घर के कुत्ते को भी ठीक रखना, क्योंकि उसे कुछ हो गया, तो घर को चोरों से कौन बचाएगा। लेकिन भगवान यदि आप बुरा न मानो तो एक बात कहूं, सबका ध्यान रखना, लेकिन उससे पहले आप अपना ध्यान रखना, क्योंकि आपको कुछ हो गया, तो हम सबका क्या होगा। इस सहज प्रार्थना को सुनकर दादा की आंखों में भी आंसू आ गए, क्योंकि ऐसी प्रार्थना उन्होंने कभी नहीं की थी। हमें उन परमपिता का हमेशा अभारी होना चाहिए जिन्होंने हमें बिना मांगे सब कुछ दिया है। और इसके बदले में वे मुझसे कुछ नहीं चाहते हैं। इसलिए हमें भगवान का हमेंशा शुक्रगुजार होना चाहिए और उसके महत्व को भी समझना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

वृषभ

वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन

शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क

लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

सिंह

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

कन्या

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं।

तुला

धनार्जन सुगम होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

वृश्चिक

कार्यप्रणाली में सुधार होगा। नई आर्थिक नीति बनेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है।

धनु

बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी।

मकर

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा।

कुम्भ

आज के दिन कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मीन

आज धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर अचानक बड़ा खर्च हो सकता है। भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। प्रमाद न करें।

तू प्यासा है के लिए डिनो मोरिया संग नेहा कक्कड़ ने किया रोमांस

नेहा कक्कड़ हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। फैंस को नेहा के गानों का इंतजार रहता है। उनके जब भी किसी गाने की अनाउंसमेंट होती है तो फैंस बेहद खुश हो जाते हैं। अब नेहा का नया गाना तू प्यासा है आ रहा है। इस गाने में नेहा डिनो मोरिया के साथ रोमांस करती नजर आ रही हैं। नेहा और डिनो की केमिस्ट्री देखकर फैंस चौंक रहे हैं। नेहा और डिनो के वीडियो पर लोग ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं।

नेहा कक्कड़, डिनो मोरिया का गाना तू प्यासा है 5 सितंबर को रिलीज होने जा रहा है। इस गाने का टीजर रिलीज हो चुका है। जिसमें नेहा कक्कड़ और डिनो मोरिया पानी में रोमांस करते नजर आ रहे हैं। तू प्यासा है गाने को नेहा कक्कड़ और टोनी कक्कड़ ने गाया है। गाने में टोनी कक्कड़ भी नजर आ रही है।

नेहा और डिनो को इस तरह से डांस करता देख हर कोई चौंक गया है। नेहा कक्कड़ ने ब्लू कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी है जिसमें वो बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इस वीडियो को देखकर कुछ लोग नेहा की तारीफ कर रहे हैं वहीं कुछ पूछ रहे हैं रोहनप्रीत कहां है। एक ने लिखा- ओएमजी, सो एक्साइटेड, बस आपके एक वीडियो से इतना एक्साइटमेंट... सोचो जब फुल म्यूजिक वीडियो आएगा तो क्या होगा। दूसरे ने लिखा-आग तो पहले ही लगा दी तुमने नेहू। एक ने लिखा-डिनो और नेहा डबल धमाल होने वाला है। दूसरे ने लिखा- रोहनप्रीत भाई देख रहे हो ये क्या हो रहा है। नेहा और डिनो को इस तरह से डांस करता देख हर कोई चौंक गया है। नेहा कक्कड़ ने ब्लू कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी है जिसमें वो बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इस वीडियो को देखकर कुछ लोग नेहा की तारीफ कर रहे हैं वहीं कुछ पूछ रहे हैं रोहनप्रीत कहां है। एक ने लिखा- ओएमजी, सो एक्साइटेड, बस आपके एक वीडियो से इतना एक्साइटमेंट... सोचो जब फुल म्यूजिक वीडियो आएगा तो क्या होगा। दूसरे ने लिखा-आग तो पहले ही लगा दी तुमने नेहू। एक ने लिखा-डिनो और नेहा डबल धमाल होने वाला है।

सीएम योगी की बायोपिक का ट्रेलर रिलीज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर एक फिल्म बनाई जा रही है 'अजेय- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी'। इस आगामी फिल्म का मेकर्स ने आज गुरुवार को ट्रेलर रिलीज कर दिया है। ट्रेलर में गोरखपुर के संघर्षों और सीएम योगी के विद्यार्थी जीवन की कहानी दिखाई दे रही है।

'अजेय- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी' फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जो 2 मिनट 20 सेकेंड का है। इस ट्रेलर की शुरुआत में बताया जाता है कि पूर्वांचल के दिग्गज नेता अवधेश राय की गोली मारकर हत्या कर दी गई है, जिस कारण गोरखपुर में कर्फ्यू की घोषणा कर दी गई है। इसके बाद दिखाया जाता है कि अजय आनंद विद्यार्थी के रूप में कॉलेज में

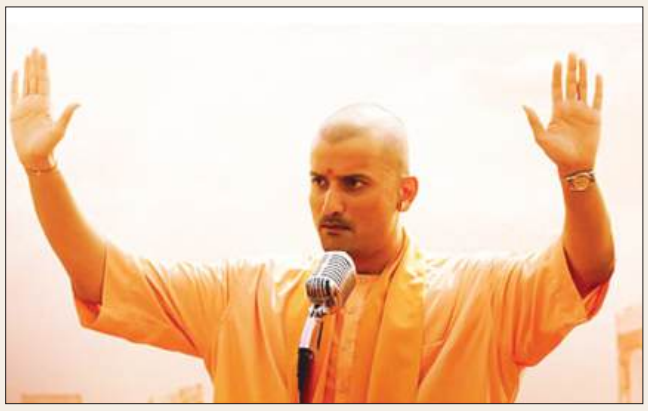

दाखिला लेते हैं और वहां की राजनीति में शरीक हो जाते हैं। इसके बाद वो सबके हित में आवाज उठाते हैं और सभी विद्यार्थी की पसंद बन जाते हैं। बाद में वो देशहित में के लिए घर छोड़कर योगी बनने का फैसला करते हैं।

अजेय- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी फिल्म 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पहले यह फिल्म 01 अगस्त को रिलीज होने वाली थी, इसके बाद इसकी नई तारीख की घोषणा की गई है।

इस फिल्म में दिनेश लाल यादव, परेश रावल, अजय मेंगी, पवन मल्होत्रा, राजेश खट्टर, गरिमा विक्रांत सिंह और सरवर आहूजा जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। यह फिल्म शांतनु गुप्ता की किताब द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर पर आधारित है। रविंद्र गौतम ने योगी आदित्यनाथ की इस बायोपिक को निर्देशित किया है। इस फिल्म का म्यूजिक, बैकग्राउंड स्कोर मीत ब्रदर्स ने तैयार किया है।

बॉलीवुड | मन की बात

मैंने दो बार प्यार किया दोनों बार मिला केवल धोखा : तान्या मित्तल

तान्या मित्तल बिग बॉस सीजन 19 की सबसे चर्चित कंटेस्टेंट हैं। पहले दिन से ही वह किसी न किसी वजह से सुर्खियां बटोर रही हैं। कभी वह अमीरीगिरी दिखाती नजर आती हैं तो कभी घरवालों से पंगा लेते हुए। हाल ही में, तान्या ने अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी एक और बात का खुलासा किया है। स्प्रीचुअल इन्फ्लुएंसर तान्या मित्तल के खिलाफ बिग बॉस के घर में सभी घरवाले खड़े हो गए हैं। खुद को बॉस बुलाने वालीं तान्या की घर में किसी न किसी से लड़ाई हो जाती है। हालांकि, लड़ाई-झगड़े के बीच कई बार वह अपनी जिंदगी से जुड़े ऐसे राज खोल देती हैं कि लोगों का ध्यान उन पर आ जाता है। तान्या मित्तल ने खुलासा किया कि वह दो बार में प्यार में पड़ चुकी हैं लेकिन दोनों बार ही उन्हें धोखा मिला है। दरअसल, किचन में बसीर अली तान्या से पूछते हैं कि क्या उन्होंने कभी किसी को डेट किया तो उन्होंने रिवील किया कि वह दो बार रिलेशनशिप में रह चुकी हैं। उनका दो बार ब्रेकअप हुआ है। तान्या के इस खुलासे के बाद बसीर अली ने उनसे और जानने की कोशिश की और पूछा कि आखिर उनका ब्रेकअप क्यों हुआ? इसके जवाब में इन्फ्लुएंसर और बिजनेसवुमन ने कहा, ‘मैंने कुछ नहीं किया। मुझे बहुत धोखे मिले हैं। मेरा सबने इस्तेमाल किया अपने फायदे के लिए। बसीर ने इतने में कहा कि अगर उनके पास 10 ऐसी कहानी होती तो वह शायद 2 में गलत होते और 8 में धोखा खा चुके होते। तान्या ने जवाब में कहा कि उनके सिर्फ दो रहे और वह गलत नहीं थीं। कुनिका सदानंद ने तान्या मित्तल को टीज करते हुए कहा कि अब वह शादी के लायक हो गई हैं। इसके जवाब में वह खुद को एक अत्याचारी बॉस बताती हैं। उनका कहना है कि वह इतनी अत्याचारी बॉस थी कि वह लोगों से तौलिया भी प्रेस करवाती थीं।

9वीं कक्षा की छात्रा के पीछे पड़ा सांप महीने भर में डस चुका है नौ बार

उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। दरअसल, यहां एक 9वी कक्षा की छात्रा के पीछे एक सांप पड़ गया है। 15 साल की लड़की को एक महीन में सांप 9 बार डंस चुका है। यह हैरान कर देने वाला मामला कौशांबी के सिराथू तहसील के भैंसहापर गांव का है। लगातार सांप के काटने से पूरा परिवार दहशत में है, वहीं गांव में भी भय का माहौल बना हुआ है। पीड़ित लड़की का नाम रिया है। रिया के पिता राजेंद्र मौर्य का कहना है कि 22 जुलाई 2025 को खेत जाते समय पहली बार सांप ने उनकी बेटी को डसा था। सांप के डसने के बाद बच्ची को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के बाद वह ठीक हो गई। लेकिन कुछ ही दिनों बाद सांप ने उसे फिर से डस लिया। 13 अगस्त को फिर से सांप ने रिया को डसा। हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने प्रयागराज रेफर किया, लेकिन परिजनों ने निजी अस्पताल में इलाज कराया। इसके बाद 27 अगस्त से 30 अगस्त तक मात्र चार दिनों में सांप ने उसे चार बार डसा। कभी नहाते समय, तो कभी घरेलू काम करते वक्त सांप ने हमला किया। पीड़ित रिया का कहना है कि सांप बहुत बड़ा है, गहरे काले रंग का है और उस पर हरी धारियां बनी हुई हैं। हर बार काटने के करीब एक घंटे बाद वह बेहोश हो जाती है। जब उसे होश आता है तो वह खुद को कभी अस्पताल तो कभी तांत्रिक के पास पाती है। लगातार घटनाओं से घबराकर उसके छोटे भाई-बहन ननिहाल चले गए हैं। कौशांबी के सीएमओ संजय कुमार ने बताया कि 22 जुलाई को पहली बार रिया को सांप ने डसा था, जिसके बाद उसे 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल लाया गया था। इलाज के बाद वह घर लौट गई। 13 अगस्त को भी उसे सांप ने डसा। अब नौ बार सांप के डसने की खबर सामने आई है।

अजब-गजब | इसे पागल समझते हैं लोग, मगर करती है मोटी कमाई!

पैसे लेकर दूसरों के सिर से जुएं निकालती है लड़की

बच्चे छोटे होते हैं तो उन्हें बालों में जुएं पड़ने का खतरा काफी होता है क्योंकि वो खुद को उस तरह साफ नहीं रख पाते, जिस तरह बड़े रख पाते हैं। ऐसे में अक्सर उनकी मांएं बालों से जुएं निकाल देती हैं। आपने बंदरों को भी कई बार अपने बच्चों के बालों से जुएं बीनते देखा होगा। मगर एक ऑस्ट्रेलियाई महिला ये काम अनजानों के लिए करती है। ये उसका पेशा है और इसके लिए वो मोटी फीस चार्ज करती है।

सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) की रहने वाली 25 वर्षीय रैचेल मरोन का पेशा सुनकर शायद आप चौंक जाएं। वो रोजाना सैकड़ों जुओं और निट्स को बिना किसी सुरक्षात्मक उपकरण के हटाती हैं। अपने इस काम को लेकर उन्हें अक्सर 'पागल' तक कहा जाता है, लेकिन रैचेल का मानना है कि यही उनका असली जुनून है और उन्होंने इसी काम को अपना करियर बना लिया है। रैचेल लगभग एक दशक से लोगों को जुओं की समस्या से निजात दिला रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि कभी-कभी उन्हें खुद भी जुएं हो जाती हैं, लेकिन फिर भी वो कहती हैं कि उनका काम उनके लिए बेहद रिलैक्सिंग है। रैचेल कहती हैं, मैंने कभी सोचा नहीं था कि मैं ये काम करूंगी, लेकिन अब लगता है कि ये मेरे लिए बना ही था। भले ही लोग मुझे घिनौना समझें, लेकिन ये पेशा मेरे जीवन की सबसे

बड़ी नेमत साबित हुआ है।

नीड टू नो वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार रैचेल अपने काम की झलकियां सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म TikTok पर 4.2 मिलियन फॉलोअर्स के साथ साझा करती हैं। उनके वीडियो अक्सर वायरल हो जाते हैं और लोगों को चीखने या सिहर उठने पर मजबूर कर देते हैं। किसी को इसे देखकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं तो किसी को सिर खुजाने का मन करता है। एक वीडियो में वो जुओं को हटाकर कांच के टुकड़े पर रखकर पॉप करती नजर आईं, जिसे अब तक लाखों बार देखा जा चुका है।

रैचेल हर ट्रीटमेंट के लिए 150 ऑस्ट्रेलियन डॉलर (करीब 8,000 रुपये) चार्ज करती हैं और दावा करती हैं कि वह किसी भी इन्फेस्टेशन को पूरी तरह से खत्म कर सकती हैं। हालांकि, गंभीर मामलों में क्लाइंट्स को दोबारा अपॉइंटमेंट लेना पड़ता है। उनका सबसे लंबा केस 17 घंटे तक चला। कई लोग उन्हें यह कहकर पागल कहते हैं कि वो काम के दौरान न तो ग्लव्स पहनती हैं और न ही हेयरनेट। रैचेल का तर्क है कि ऐसा करने से क्लाइंट्स ज्यादा सहज महसूस करते हैं और शर्मिंदगी कम होती है। हालांकि, वो मानती हैं कि गंभीर मामलों में जुएं उनके हाथों और बाजुओं तक पहुंच जाती हैं, जिसे वह सबसे अप्रिय हिस्सा मानती हैं। रैचेल ने शुरुआत एक फार्मेसी से की, जहां पर एक छोटा सा लाइस क्लिनिक था। वहां काम करने के दौरान उन्हें इस पेशे से लगाव हुआ और उन्होंने इसे ही अपना करियर बना लिया। वो कहती हैं, मैं बचपन से ही जानवरों या बच्चों के साथ काम करना चाहती थी। शायद किसी न किसी रूप में वो सपना पूरा हो गया। लोगों की प्रतिक्रियाएं दो हिस्सों में बंटी रहती हैं। कुछ इसे घिनौना और डरावना मानते हैं तो कुछ इसे बेहद संतोषजनक और संतुलित काम कहते हैं।

अब मोदी सरकार पेट्रोल चोरी कर रही : पवन खेड़ा

कांग्रेस ने भाजपा पर फिर साधा निशाना

» बोले- इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल नीति से ऐंठे जा रहे पैसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा पर से चोर का टैग नहीं हट पा रहा है। कांग्रेस अब उस पर पेट्रोल चोरी का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मोदी सरकार पर पहले वोट चोरी, अब पेट्रोल चोरी का आरोप लगाते हुए इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल नीति (ई-20) को आड़े हाथों लिया है। कांग्रेस नेता और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया एवं प्रचार अध्यक्ष पवन खेड़ा ने गुरुवार को मोदी सरकार और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी पर इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल नीति को लेकर तीखा हमला बोला और कहा कि वोट मिलावट से जीतने वाली सरकार अब मिलावट से देश चला रही है।

एक प्रेस बयान में, पवन खेड़ा ने कहा कि पहले वोट चोरी, अब मोदी जी द्वारा पेट्रोल चोरी। उन्होंने कहा कि न खाऊंगा, न खाने दूंगा के तथाकथित झंडाबरदार - वोट चोरी-जो भारतीय जनता के साथ सबसे बड़ा धोखा है - लागू करने के बाद, पेट्रोल चोरी लागू कर रहे हैं। सबसे ताज़ा है पैसे ऐंठने के लिए ई-20 नीति। ई-20 इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल नीति पर, खेड़ा ने कहा कि इथेनॉल मिश्रण नीति को लेकर अब

व्यापक आक्रोश है। खेड़ा ने आरोप लगाया कि 2014 में पदभार संभालने के बाद से नितिन गडकरी इथेनॉल उत्पादन के लिए आक्रामक रूप से पैरवी कर रहे हैं। सितंबर 2018 में, गडकरी ने कहा कि सरकार पांच इथेनॉल उत्पादन संयंत्र स्थापित कर रही है, जहां लकड़ी आधारित उत्पादों और अलग-अलग नगरपालिका कचरे से इथेनॉल बनाया जाएगा। खेड़ा ने आगे कहा कि गडकरी ने यह भी कहा था कि इस नीति से डीज़ल 50 रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल का विकल्प 55 रुपये प्रति लीटर पर उपलब्ध होगा, लेकिन पता चला कि यह एक जुमला था।

गडकरी के बेटे की कंपनी करती है इथेनॉल का कारोबार

खेड़ा ने आगे कहा कि पेट्रोल की कीमतें 2014 में 71.41 रुपये से बढ़कर 2025 में 94.77 रुपये हो गई हैं, और डीज़ल की कीमतें 55.49 रुपये से बढ़कर 87.67 रुपये हो गई हैं, जबकि इथेनॉल उत्पादन से जुड़ी चीनी मिलें रिकॉर्ड मुनाफे के साथ बैंक तक पहुंच रही हैं। पवन खेड़ा ने कुछ आरोप लगाए थे। इनमें से एक कथित हितों के टकराव का मामला था, जिसमें निखिल गडकरी (केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के बेटे) के स्वामित्व वाली सियान एग्रो इंडस्ट्रीज इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, एक प्रमुख इथेनॉल आपूर्तिकर्ता है, उनके एक अन्य बेटे, सारंग गडकरी, मानस एग्रो इंडस्ट्रीज में निदेशक हैं, जो भी इथेनॉल का कारोबार करती है।

बड़े-बड़े दावों की खुल रही पोल

खेड़ा ने एक प्रेस बयान में कहा कि निर्धारित समय से पाँच साल पहले 20प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण प्राप्त करने के बड़े-बड़े दावों के बावजूद, ये वादे धरे के धरे रह गए हैं। वादे के अनुसार, लकड़ी आधारित उत्पादों या नगरपालिका के कचरे से एक बूंद इथेनॉल भी नहीं निकला है, और पेट्रोल की कीमतें कभी भी 55 रुपये प्रति लीटर के स्तर तक नहीं पहुंच पाईं। इसके बजाय, आम आदमी को ज़्यादा कीमत चुकानी पड़ती है - वाहन ज़्यादा ईंधन की खपत करते हैं, जल्दी खराब हो जाते हैं, और प्रत्येक लीटर इथेनॉल 3,000 लीटर पानी की खपत करता है।

जीएसटी सुधार कोरी बयानबाजी : ओवैसी

» एआईएमआईएम प्रमुख का केंद्र पर तीखा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार के इस दावे की आलोचना की कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में नवीनतम सुधारों से उपभोग बढ़ेगा और कहा कि पिछले एक दशक में इस तरह की बयानबाजी और संवाद से आम आदमी को कोई फायदा नहीं हुआ है। एआईएमआईएम नेता ने चेतावनी दी कि इन बदलावों के परिणामस्वरूप राज्य सरकारों को सामूहिक रूप से 8,000-10,000 करोड़ रुपये के राजस्व घाटे का सामना करना पड़ सकता है।

मीडिया से बात करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में हमने जो भी बयानबाजी और संवाद देखे हैं, उनसे आम आदमी को कोई फायदा नहीं हुआ है। हम इसका स्वागत नहीं कर सकते क्योंकि इसका राज्यों के राजस्व और वित्त पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ेगा और प्रत्येक राज्य को 8 से 10 हज़ार करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान होगा। इस बीच, पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने जीएसटी दरों को दो स्लैब में तर्कसंगत बनाने के केंद्र के फैसले में देरी पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि वह 1 जुलाई, 2017 को इसे लागू करने के आठ साल बाद अपनी गलती का एहसास करने के लिए सरकार की सराहना करते हैं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी और पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन सहित कई अर्थशास्त्रियों ने कर ढांचे को लेकर चिंता जताई थी जब इसे पहली बार लागू किया गया था।

फाइनल से पहले थमा युकी भांबरी का सफर

» भांबरी-वीनस की जोड़ी को सेमीफाइनल में इंग्लिश जोड़ी ने हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

न्यूयॉर्क। भारत के टेनिस खिलाड़ी युकी भांबरी का यूएस ओपन 2025 का सफर सेमीफाइनल में थम गया। 33 वर्षीय युकी भांबरी और उनके न्यूजीलैंड के जोड़ीदार माइकल वीनस पुरुष युगल वर्ग के अंतिम-4 में इंग्लैंड की जोड़ी जो सेलिसबरी और नील स्कूप्स्की से 7-6 (7-2), 6-7 (5-7), 4-6 से हार गए।

यह मुकाबला लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में खेला गया और तीन सेट तक चला। दोनों जोड़ियों के बीच पहला सेट बेहद रोमांचक रहा। भांबरी-वीनस की जोड़ी ने आठवें गेम में ब्रेक लेकर 5-3 की बढ़त बनाई, लेकिन इंग्लिश जोड़ी ने शानदार वापसी कर सेट को टाईब्रेकर तक खींचा। यहां भारतीय-न्यूजीलैंड जोड़ी ने दमदार खेल दिखाते हुए 7-2 से जीत हासिल की। दूसरे सेट में भी भांबरी-वीनस ने शुरुआत में बढ़त बनाई और पहले ही गेम में ब्रेक हासिल किया। हालांकि छठे गेम में वे अपना सर्विस गंवा बैठे और मुकाबला बराबरी पर आ गया। 10वें गेम में भी इंग्लिश जोड़ी के पास ब्रेक का मौका था, लेकिन भांबरी-वीनस ने बचा लिया। सेट एक बार फिर टाईब्रेकर में गया और इस बार सेलिसबरी-स्कूप्स्की ने 7-5 से बाजी मार ली। निर्णायक सेट में ब्रिटिश खिलाड़ियों ने पहले ही गेम में ब्रेक हासिल कर दबाव बना दिया और 6-4 से जीत दर्ज करते हुए फाइनल में प्रवेश किया।

चोट के कारण यास्तिका महिला विश्व कप से बाहर

नई दिल्ली। यास्तिका भाटिया घुटने की चोट के कारण महिला विश्व कप से बाहर हो गई है। इतना ही नहीं यास्तिका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज का हिस्सा भी नहीं होंगी। बीसीसीआई ने यास्तिका की जगह विकेटकीपर बल्लेबाज उमा छेत्री को टीम में शामिल किया है। बीसीसीआई ने बताया कि यास्तिका को विशाखापत्तनम में तैयारी शिविर के दौरान चोट लग गई थी, जिस कारण यह खिलाड़ी इस वैश्विक टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। बीसीसीआई ने बयान में कहा, बीसीसीआई की मेडिकल टीम यास्तिका भाटिया की प्रगति पर नजर रख रही है और टीम उनके जल्दी स्वस्थ होने की कामना करती है।

सिद्धारमैया समेत परिवार को 'क्लीन चिट'

» कर्नाटक कैबिनेट ने मुडा घोटाले की रिपोर्ट को स्वीकारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के मंत्री एचके पाटिल ने गुरुवार को कहा कि कथित मुडा घोटाले की जांच कर रहे न्यायिक आयोग के अध्यक्ष पीएन देसाई ने इस मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके परिवार को क्लीन चिट दे दी है। सेवानिवृत्त न्यायाधीश पीएन देसाई की अध्यक्षता वाले आयोग ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) स्थल आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके परिवार को निर्दोष बताया। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने गुरुवार को रिपोर्ट स्वीकार कर ली, जिसमें अनियमितताओं के लिए ज़िम्मेदार अधिकारियों के ख़िलाफ़ कानूनी कार्रवाई की भी सिफ़ारिश की गई है।

देसाई आयोग ने उन आरोपों की जाँच की कि सिद्धारमैया का परिवार 2020 और 2024 के बीच मैसूर में एक अवैध वैकल्पिक स्थल आवंटन घोटाले में शामिल था। आयोग ने निष्कर्ष निकाला कि मुआवज़े के रूप में स्थलों के आवंटन को अवैध नहीं कहा जा सकता। कर्नाटक उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश के नेतृत्व वाले पीएन देसाई आयोग ने 31 जुलाई को मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। इससे पहले लोकायुक्त पुलिस ने भी सिद्धरमैया, उनकी पत्नी पार्वती और दो अन्य आरोपियों को इस मामले में क्लीन चिट दे दी थी।

सीएम पर लगाये गये आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है: पाटिल

कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा, हमने (सरकार ने) न्यायमूर्ति पी.एन. देसाई की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया था, जिसने दो खंडों में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि मुख्यमंत्री और उनके परिवार के खिलाफ लगाए गए आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। इसमें विभिन्न आधारों पर कुछ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा गया है। हमने (मंत्रिमंडल ने) रिपोर्ट और उसकी सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। कैबिनेट के फैसलों के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और उनके परिवार को क्लीन चिट दे दी गई है।

विदेशियों को मदद दे रही है मोदी सरकार, पंजाब को नहीं : चीमा

» वित्तमंत्री ने की राहत कार्य तेज करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। वित्त मंत्री चीमा ने केंद्र सरकार पर अफगानिस्तान को सहयता देने और पंजाब पर अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पंजाब, जिसने लगातार देश की अन्न सुरक्षा और आर्थिक ताकत में योगदान दिया है को मुश्किल की घड़ी में तुरंत और पर्याप्त सहायता मिलनी चाहिए। केंद्र बाढ़ प्रभावित नागरिकों के कल्याण को प्राथमिकता दे और राहत पैकेज, बुनियादी ढांचे की सहायता तथा पुनर्वास के कार्यों को तेज करे।

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में खुले दिल से दान देने की अपील भी की। इसी दौरान चीमा ने उपभोक्ताओं के हित में जीएसटी दरों की कटौती का स्वागत करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी शुरू से ही इसकी मांग कर रही थी। उन्होंने कहा कि नए दो स्लैब जीएसटी दर ढांचे के लाभ आम लोगों तक पहुंचने चाहिए ताकि महंगाई से जूझ रहे लोगों को राहत मिल सके।

संजय राउत ने की सीएम फडणवीस की तारीफ, महाराष्ट्र की सियासत में बवाल

शिवसेना यूबीटी नेता ने मराठा आरक्षण मामले को सुलझाने के लिए सीएम के सराहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत में उतार चढ़ाव जारी है। जहां शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने मराठा आरक्षण मामले को सुलझाने के लिए उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रशंसा की है। राउत ने फडणवीस को पर्दे के पीछे से काम करने और मनोज जारंगे की भूख हड़ताल समाप्त करने का श्रेय दिया, जबकि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की भूमिका पर सवाल उठाए। यह बयान शिंदे-पवार गुट पर निशाना साधते हुए महाराष्ट्र की जटिल राजनीतिक समीकरणों को दर्शाता है।

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने मराठा आरक्षण आंदोलन को सुलझाने और कार्यकर्ता मनोज जारंगे की भूख हड़ताल समाप्त करने का श्रेय महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को दिया। संजय राउत द्वारा यह भाजपा नेता की एक दुर्लभ सराहना है। पत्रकारों से बात करते हुए, राउत ने कहा कि फडणवीस ने पर्दे के पीछे से काम किया और मराठा आरक्षण पर कैबिनेट उप-समिति के साथ विचार-विमर्श में शामिल रहे। राउत ने कहा कि अगर सरकार ने इस मुद्दे को सुलझाया है और जरांगे की जान बचाई है, तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि देवेंद्र फडणवीस इस मुद्दे को सुलझाने के लिए विचार-विमर्श में शामिल थे। वह पृष्ठभूमि में काम कर रहे थे। सारा श्रेय फडणवीस को जाना चाहिए। जारंगे और मराठा प्रदर्शनकारियों द्वारा मुख्यमंत्री की कड़ी आलोचना का जिक्र करते हुए राउत ने कहा, मैं फडणवीस के धैर्य की भी सराहना करूंगा। राउत भाजपा और फडणवीस के कटु आलोचक रहे हैं।

शिंदे-पवार को घेरा

शिवसेना (यूबीटी) ने मराठा आंदोलन को लेकर उप-मुख्यमंत्री अजित पवार और एकनाथ शिंदे पर निशाना साधा। राउत ने कहा, एकनाथ शिंदे और अजित पवार कहाँ थे? उन्होंने विचार-विमर्श में भाग क्यों नहीं लिया? क्या वे चाहते थे कि मामला बिगड़े और फडणवीस मुश्किल में पड़ें। वहीं, राउत ने महाराष्ट्र के हालिया मराठा आरक्षण निर्णय में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के साथ अनुचित व्यवहार का आरोप लगाते हुए कैबिनेट मंत्री और ओबीसी नेता छगन भुजबल से इस्तीफा देने का आग्रह किया है। राउत ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को चुनौती देने के इरादे से मराठा आरक्षण आंदोलन की योजना बनाने का आरोप लगाया। अपने समुदाय के हितों की रक्षा की मांग करते हुए, भुजबल ने सरकार के रुख पर निराशा व्यक्त की। इस बीच, राज्य सरकार द्वारा मराठों को ओबीसी का दर्जा देने पर विचार करने की प्रतिबद्धता जताए जाने के बाद कार्यकर्ता मनोज जारंगे ने अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी, जिससे हाल के सरकारी प्रस्तावों के बाद कोटा कार्यान्वयन के माध्यम से संभावित लाभ का संकेत मिलता है।

हालाँकि, उन्होंने दावा किया कि जब जरांगे अपना अनशन शुरू करने मुंबई आए थे, तो भाजपा नेताओं ने अलग भाषा बोली थी। राउत ने दावा किया कि फडणवीस को छोड़कर भाजपा नेताओं ने अत्यधिक नफ़रत फैलान की कोशिश की।

स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में भाजपा की सरकार पर कांग्रेस का प्रहार जारी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने विधानसभा स्पीकर को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि स्पीकर संवैधानिक पद पर रहते हुए विपक्ष की आवाज दबाने का काम कर रहे हैं और सत्ता पक्ष को बचाने में लगे हुए हैं।

डोटासरा ने कहा कि स्पीकर सदन की मर्यादा को तार-तार कर रहे हैं और पारदर्शिता के साथ काम नहीं कर रहे। उन्होंने कहा कि विपक्ष जनता की समस्याओं और मुद्दों को सदन में उठाता है, लेकिन स्पीकर सत्ता पक्ष के एजेंट की तरह व्यवहार कर रहे हैं और विपक्ष को बोलने का अवसर नहीं दे रहे। विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर अमर उजाला द्वारा पूछे गए सवाल पर डोटासरा ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी इस मामले पर गंभीरता से विचार करेगी। उन्होंने कहा कि जब बजट सत्र आएगा तो पार्टी अपने विधायक दल और वरिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा कर निर्णय लेगी कि अविश्वास प्रस्ताव लाया जाए या नहीं। डोटासरा ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए 14 दिन का समय होता है। अभी यह तय नहीं है कि कब लाया जाएगा, लेकिन अगर स्पीकर का रवैया नहीं बदलता तो यह कदम उठाना तय है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास ऐसे 50 कारण हैं, जिनके चलते यह स्पष्ट है कि स्पीकर पारदर्शी तरीके से कार्य नहीं कर रहे।

बिहार के साथ अन्याय हो रहा है: कुशवाहा

- **बोले- हमारी पार्टी केवल जनता के मुद्दों की राजनीति करती है**
- **एनडीए के सहयोगी राज्यसभा सांसद ने उठाए सवाल**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि हमारी पार्टी केवल जनता के मुद्दों की राजनीति करती है। हम हंगामा करके राजनीति नहीं करते, बल्कि जनता की समस्याओं का हल निकालने पर ध्यान देते हैं। उन्होंने कहा कि रैली में विशेष एजेंडा के माध्यम से लोगों को अवगत कराने का काम करेंगे, जिसका विषय परिसीमन है।

परिसीमन का मतलब लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की संख्या का निर्धारण है, जो विभिन्न राज्यों में संविधान के अनुसार किया जाता है। दस साल पर जनगणना होगी। जनगणना के उपरांत जितनी आबादी उस वक्त की होगी, उसके अनुरूप लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की संख्या भी बढ़ेगी।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आएलएम) के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा आज पटना में बड़ी रैली की। यह रैली पटना के मिलर हाई स्कूल के ग्राउंड दोपहर में हुई। पार्टी का दावा है कि यह रैली ऐतिहासिक होने वाली है। पार्टी की ओर से कहा गया कि आज तक ऐसी रैली नहीं हुई। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि आज बेहद ही खास दिन है। आज पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन और बिहार के लेनिन कहे जाने वाले जगदेव प्रसाद का शहादत दिवस है। इस मौके पर पटना स्थित मिलर हाईस्कूल मैदान में राज्यस्तरीय संवैधानिक अधिकार

बिहार के लोगों को बड़ा नुकसान हो रहा है

उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि संविधान की इस व्यवस्था के अनुसार सबसे पहली बार 1951 में आजादी के बाद जनगणना के आधार पर परिसीमन हुआ। 1961 की जनगणना के आधार पर परिसीमन हुआ, फिर 1971 की जनगणना के आधार पर भी परिसीमन हुआ। 1951 में लोकसभा सीट 494 थी, जो परिसीमन के बाद 1961 में 522 और 1971 में 543 हो गई। उसी व्यवस्था के अनुसार आगे भी परिसीमन होना चाहिए था। लेकिन, 1976 में जब आपातकाल लागू था, उस वक्त संविधान में परिवर्तन कर दिया गया और परिसीमन का कार्य रोक दिया गया, जो अभी तक रुका हुआ है। इस रुकावट से बिहार और उसके आसपास के कुछ राज्यों को बहुत नुकसान हो रहा है। अगर पुरानी व्यवस्था के अनुसार 2011 की जनसंख्या के आधार पर परिसीमन हुआ होता, तो लोकसभा क्षेत्रों की संख्या 40 से बढ़कर कम से कम 60 हो गई होती। विधानसभा क्षेत्र की संख्या भी उसके अनुरूप बढ़ती, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। 50 साल से यह प्रक्रिया रुकी हुई है, जिससे बिहार के लोगों को बड़ा नुकसान हो रहा है।

लश्कर-ए-जिहादी की मुंबई को दहलाने की धमकी

- **34 मानव बम, 400 किलो आरडीएक्स का दावा**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई पुलिस ने शुक्र वार को कहा कि एक धमकी भरा कॉल आने के बाद पुलिस हाई अलर्ट पर है। कॉल करने वाले ने दावा किया कि 34 गाड़ियों में 34 मानव बम रखे गए हैं, जिनमें 400 किलोग्राम आरडीएक्स है।

ये बम विस्फोट पूरे शहर को हिलाकर रख देंगे। यह धमकी भरा कॉल ट्रैफिक पुलिस हेल्पलाइन पर आया था। मुंबई पुलिस ने बताया कि अनंत चतुर्दशी की पूर्व संध्या पर लश्कर-ए-जिहादी नामक संगठन ने यह धमकी जारी की थी। पुलिस ने बताया कि पूरे राज्य में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने बताया कि धमकी भरे संदेश में दावा किया गया है कि मानव बमों से लदी 34 कारों का इस्तेमाल 400 किलोग्राम आरडीएक्स विस्फोट करने के लिए किया जाएगा, जिससे एक करोड़ लोग मारे जाएँगे।

वहीं, महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक रेलवे स्टेशन को उड़ाने की झूठी धमकी देने के आरोप में सोमवार को एक 43 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने बताया कि आरोपी, जिसकी पहचान रूपेश मधुकर रणपिसे के रूप में हुई है, ने रविवार शाम करीब 4 बजे पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके बताया कि उसने कलवा रेलवे स्टेशन पर बम रखा है। अगस्त में, दक्षिण मुंबई के गिरगाँव इलाके में स्थित इस्कॉन मंदिर को बम की धमकी वाला एक ईमेल मिला था, जो परिसर की गहन तलाशी के बाद फर्जी निकला।

दिल्ली में बाढ़ से कई इलाके डूबे, अजमेर में बोराज तालाब टूटा, 1000 घरों में पानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बारिश से पहाड़ी राज्यों से लेकर मैदानी इलाकों तक तबाही आ गई है। दिल्ली-एनसीआर में लगातार बारिश के कारण यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इससे कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। नोएडा में सेक्टर-135 और सेक्टर-151 डूब गए हैं। कई इलाके में 3 से 4 फीट पानी भरा है।

हरियाणा के पंचकूला, हिसार, रोहतक और झज्जर में सभी स्कूल बंद हैं। फतेहाबाद, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर और फरीदाबाद में भी कुछ स्कूल बंद कर दिए गए हैं। गुरुग्राम की सिग्नेचर ग्लोबल सलोरा सोसाइटी में गुरुवार को पानी भर गया। इससे महिलाएं और बच्चे घरों में कैद हो गए। राजस्थान के अजमेर में गुरुवार रात भारी बारिश के बाद बोराज तालाब की दीवार ढह गई। इससे 1 हजार से ज्यादा घरों में अचानक सैलाब आ गया। लोगों ने छतों पर जाकर जान बचाई। पानी का बहाव इतना तेज था कि कई गाड़ियां बह गईं। मकान क्षतिग्रस्त हो गए। देर रात तक लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चला। पंजाब में बाढ़ में मरने वालों की संख्या गुरुवार को बढ़कर 43 हो गई। राज्य के 23 जिलों के 1,655 गांवों में 3.55 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। 1.71 लाख हेक्टेयर जमीन पर लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। राज्य में अगले 5 दिन बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। इससे बाढ़ से राहत मिल सकती है।

कश्मीर का देश के बाकी हिस्सों से संपर्क कटा

कश्मीर में गुरुवार को बारिश और लैंडस्लाइड के कारण जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे सहित सभी सड़कें बह गईं या टूट गईं। इससे घाटी का देश के बाकी हिस्सों से संपर्क कट गया है।झेलम नदी का जलस्तर कम हो गया है। नदी अब खतरे के निशान से नीचे बह रही है। हालांकि, एहतियात के तौर पर, कश्मीर रीजन के स्कूल और कॉलेज शनिवार, 6 सितंबर तक बंद कर दिए गए हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।